University in News on 20 December 2020

HINDUSTAN PAGE 7 & 8

आईएमए और आईएएस छोड़ा एलयू की मोहब्बत खींच लाई

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 साल
कुछ यादें कुछ किस्से (31)

प्रो. संजय गुप्ता

1984 में बीए में दाखिला लिया। उस समय पढ़ाई के साथ खेलकूद में दिमाग रहता। प्रो. एलडी ठाकुर सर की क्लास करते और मैदान में चले जाते। 1985 में बैडमिंटन में इंटर यूनिवर्सिटी खेलने को भी मिला। एनसीसी भी ज्वाइन कर ली। प्रो. बलराम चौहान हमारे इंचार्ज थे। बात 1985-86 की है। दिल्ली परेड के लिए जाना था। इसका सेलेक्शन अपने आप में मुश्किल होता है। उस समय 6 किलोमीटर की क्लॉसकंट्री कराते थे। जुनून था कि राजपथ तक पहुंचना है। तैयारी शुरू कर दी। घर से चारबाग और चारबाग से घर यानी करीब 12 किलोमीटर का अभ्यास किया। सेलेक्शन भी हुआ। राजपथ परेड में शामिल होने का सौभाग्य मिला। महीनों कैंप में रहा। कभी एनसीसी तो कभी स्पोर्ट्स। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं कि पढ़ाई को छोड़ा। दिन भर खेलने और परेड के बाद रात आठ बजे से पढ़ाई शुरू होती। रात के दो से तीन तक बजते थे। यह करीब दस साल तक चला। याद नहीं कि कभी इस नियम को तोड़ा। इन सबका नतीजा था कि क्लास में न जाने के बावजूद अच्छे अंक मिलते रहे। परास्नातक में गोल्ड मेडल भी मिला। 1987 में इंडियन मिलेट्री अकादमी में चुना गया। इसी दौरान रॉ आफिसर के लिए भी चयन हुआ। लेकिन, छोड़ दिया। बाद में लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाने का फैसला लिया। दो बार आईएएस का इंटरव्यू निकाला। 1993 में आईएएस की एलाइड सर्विसेज में भी चयन हुआ। सीआईएसएफ में जाने का अवसर मिला। लेकिन, ज्वाइन नहीं किया। बल्कि, अपने विश्वविद्यालय में पढ़ाना का विकल्प ज्यादा बेहतर लगा।

- प्रो. संजय गुप्ता, राजनीति शास्त्र विभाग

एलयू के 10 छात्र डिग्री कॉलेज में नियुक्त

लखनऊ। यूपीपीएससी और लोक सेवा आयोग परीक्षाओं के हाल ही में घोषित परिणामों में, लखनऊ विवि के छात्रों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। यहां के राजनीति विज्ञान विभाग से 9 छात्र (सतीश कुमार, भानु प्रताप राय, संघ रतन, ज्ञान प्रकाश, मिथिलेश, दिलीप कुमार चौरसिया, दिलीप कुमार वर्मा, सुधीर पांडे, राहुल कुमार सिंह) और रसायन विभाग से 3 छात्र (विमलेश के सिंह, शिवम मौर्य, कुलदीप कुमार) को राजकीय डिग्री कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के पद के लिए चुना गया है।

i-NEXT PAGE 2

एलयू स्टूडेंट्स का शानदार प्रदर्शन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (19 Dec): यूपीपीएससी और लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है. राजनीति विज्ञान विभाग से नौ छात्र सतीश कुमार, भानु प्रताप राय, संघ रतन, ज्ञान प्रकाश, मिथिलेश, दिलीप चौरसिया, दिलीप वर्मा, सुधीर पांडे, राहुल कुमार सिंह और रसायन विभाग से तीन छात्र विमलेश के सिंह, शिवम मौर्य, कुलदीप कुमार को राजकीय डिग्री कॉलेजों में नियुक्त किए जाने वाले सहायक प्रोफेसर के पद के लिए चुना गया है.

JAGRAN CITY PAGE 3

लविवि छात्रों का संघ लोक सेवा आयोग में शानदार प्रदर्शन

लखनऊ : संघ लोक सेवा आयोग परीक्षाओं के हाल ही में घोषित परिणामों में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। राजनीति विज्ञान विभाग से नौ छात्र सतीश कुमार, भानु प्रताप राय, संघ रतन, ज्ञान प्रकाश, मिथिलेश, दिलीप चौरसिया, दिलीप वर्मा, सुधीर पांडे, राहुल सिंह और रसायन विभाग से विमलेश सिंह, शिवम मौर्य, कुलदीप कुमार को राजकीय डिग्री कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर पद के लिए चुना गया है। (जासं)

VISHWAVARTA PAGE 5

नये डिग्री कॉलेजों को विभागों के बोर्ड ऑफ स्टडीज के नियम करने होंगे लागू

» अभी तक इन डिग्री कॉलेजों में वार्षिक परीक्षा के आधार पर होती है पढ़ाई

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय नए डिग्री कॉलेजों के जुड़ने के बाद अगले शैक्षिक सत्र 2021-22 में करीब सवा तीन लाख विद्यार्थियों को अपने यहां दाखिला देगा। विश्वविद्यालय के लिए यह पहला मौका होगा, जब वह किसी शैक्षिक सत्र में इतने बड़े संख्या में अपने यहां विद्यार्थियों को इनरोल करेगा। पांच जिलों के डिगी कॉलेजों के जुड़ने से विवि से करीब दो लाख नए विद्यार्थी जुड़ेगे। इन सभी विद्यार्थियो को जहां सौ साल पुराने और प्रदेश के सबसे बड़ी आवासीय विवि से जुडने का मौका मिलेगा, तो वहीं जिन कॉलेजों में यह विद्यार्थी प्रवेश लेंगे। उनको भी अपने आप को अपग्रेड करने का अवसर मिलेगा, क्योंकि यह कॉलेजों मौजूदा समय में कानपुर विवि के नियम के अनुसार वार्षिक पद्धति के माध्यम से पढ़ाई होती है, जबकि नए सत्र से उन कॉलेजों में सेमेस्टर सिस्टम लागू होगा।

खुद को करना होगा कॉलेजों को अपग्रेड

हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर और रायबरेली के करीब 361 कॉलेजों में नए सत्र से लविवि अपने एकेडमिक कलैंडर के तहत क्लास संचालित करेगा। इन कॉलेजों को अब खुद को सेमेस्टर सिस्टम के अनुसार अपग्रेड करना होगा। इसके लिए इन कॉलेजों को अपने यहां संचालित कोर्स को लविवि के विभिन्न विभागों के बोर्ड ऑफ स्टडीज से पास सिलेबस और टीचिंग पैटर्न को अपने यहां पर लागू करना होगा। साथ ही इनको सेशनल और इंटर्नल एग्जाम के लिए भी पूरा सिस्टम डेवलप करना होगा। इन सभी 361 कॉलेजों को अगले दो सालों तक वर्षिक और सेमेस्टर दोनों ही पैटर्न पर पढ़ाई करानी होगी। इन कॉलेजों को सेमेस्टर सिस्टम लागू करने में लविवि प्रशासन पूरी मदद करेगा।

सभी नए कॉलेजों को लविवि कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल (सीडीसी) की ओर से हर संभव मदद मुहैया कराया जाएगा। साथ कॉलेजों को अगर अपने टीचर्स के ट्रेनिंग और दूसरी चीजों में हेल्प की जरूरत होगा, तो वह सीडीसी के माध्यम से सम्बन्धित डिपार्टमेंट में सम्पर्क कर मदद ले सकता हैं। इसके अलावा सीडीसी के ओर से जून से पहले इन सभी कॉलेजों के लिए एक व्यापक स्तर पर अवेयरनेस प्रोग्राम भी चलाया जाएगा। जिसे यह कॉलेज आसानी से लविवि के पूरे सिस्टम को समझ सकें। उसी के अनुसार अपने को आगे बढ़ा सके।

वहीं लविवि सभी कॉलेजों की इंफ्रास्ट्रक्चर और क्वालिटी में सुधारने के लिए सभी कॉलेजों को नैक मूल्यांकन के लिए कहेगा। इसके लिए कॉलेजों को लविवि की ओर से जो भी मदद होगा।